प्रदेश में डेयरी और पोल्ट्री में अपार संभावनाएं: रुपाला

समीक्षा

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय मंत्री परसोत्तम रुपाला ने कहा है कि पशुधन का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था (जीडीपी) में योगदान 4.1 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में कृषि व सम्बद्ध क्षेत्र की कुल जीडीपी में पशुधन का योगदान 27.25 प्रतिशत है। पशुधन विदेशी मुद्रा का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। उत्तर प्रदेश में डेयरी, ऊन, पोल्ट्री और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं है। यहां पर पशुपालन क्षेत्र में उद्यमिता विकास को बढ़ावा दिया जाना बेहतर होगा।

केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को पशुपालन निदेशालय सभागार में केंद्रीय योनजाओं की समीक्षा करने के साथ ही मत्स्य और दुग्ध कारोबार से जुड़े उद्यमियों से बातचीत की। उन्होंने प्रदेश में पशुपालन अवस्थापना विकास के तहत दुग्ध विपणन एवं कैटेल फीड से जुड़ी संस्थाओं को प्रदेश की आवश्यकता के अनुसार उत्पादन के लिए योजना का लाभ लिए जाने की अपेक्षा की।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड दिया जाए।

यूपी को 520 मोबाइल वेटरनरी यूनिट

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार की अम्ब्रेला स्कीम पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना के तहत प्रत्येक एक लाख पशुधन की संख्या पर एक मोबाइल वेटरनरी यूनिट की स्थापना की जानी है। इसी क्रम में 520 वेटरनरी मोबाइल यूनिट उत्तर प्रदेश को दी जा रही हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार से इस योजना को अविलंब शुरू करने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि पशुधन एवं डेयरी क्षेत्र में संचालित केंद्रीय योजनाओं से अधिक से अधिक उद्यमियों को जोड़ा जाए।